International Journal of Hindi Research
ISSN: 2455-2232, Impact Factor: (RJIF 5.22)
www.hindijournal.com
Volume 2; Issue 1; January 2016; Page No. 32-33

शैक्षिक प्रौद्योगिकी (तकनीकि) भारत एवं उत्तर प्रदेष के विषेश संदर्भ में

डा0 कुसुम

डा0 राम मनोहर लोहिया अवध विष्वविद्यालय फैजाबाद, उ0 प्र0

प्रस्तावना

शैक्षिक प्रौद्योगिकी आधुनिक क्षेत्र में

शैक्षिक तकनीकि Educational Technology – शैक्षिक तकनीकि या शैक्षिक प्रौद्योगिकी अति विस्तृत शब्द है। जिसका तात्पर्य सम्पूर्ण शैक्षिक प्रक्रिया को योजनात्मक कर कार्यन्वित करने में वैज्ञानिक साधनो के प्रयोग से है। इसमें यह बात निहित है जिसकी सहायता से शिक्षण अधिनियम प्रक्रिया में सुधार लाने का प्रयास किया जाता है। एक समय था जब शैक्षिक प्रैद्योगिकी का अर्थ केवल श्रव्य–दृष्य साधनो के शिक्षा से समझा जाता था। वैज्ञानिक आविश्कारो ने शिक्षा के क्षेत्र को भी प्रभावित किया है। शिक्षण की प्रक्रिया के शिक्षण में मशीन, रेड़ियो, टेलीवीजन, टेपरिकार्डर, ग्रामोफोन, कम्प्यूटर तथा आधा प्रयोगशाला आदि के प्रयोग से शिक्षा प्रक्रिया के यंत्रीकरण के फलस्वरूप शिक्षा के क्षेत्र में शैक्षिक तकनीकि के एक नवीन प्रत्यय तक विचारधारा का विकास हुआ है।

लेथ महोदय के अनुसार– अधिनियम तथा अधिनियम की परिस्थियो की वैज्ञानिक ज्ञान का उपयोग जब शिक्षा तथा प्रशिक्षण को सुधारने तथा प्रभावशाली बनने में किया जाता है। तब उसे शिक्षा पौद्योगिकी कहते हैं।

शैक्षिक प्रौद्योगिकी विज्ञान पर आधारित एक ऐसा विशय है जिसका, उद्देश्य शिक्षक, शिक्षण तथा छात्रो के कार्य को निरंतर सरल बनाना है। जिससे कि शिक्षा के तीनो अंग मिलकर भलीं भाँति समायोजित रहें। और अपने उद्देश्यो की प्राप्ति में क्रमबद्ध उपागमों के माध्यम से सक्षम और समर्थ रहें।

प्रौद्योगिकी से तात्पर्य है व्यवहारिक उद्देश्यो की प्राप्ति के लिए वैज्ञानिक ज्ञान का दैनिक जीवन में उपयोग करना। शिक्षा का सम्बन्ध उस तकनीकी तथा व्यवहारिक विज्ञान से है जो शिक्षण से अधिगम तक पहुँच रखता हो।

इसमे मनोविज्ञान, समाजशास्त्र भाशा तथा विविध सम्बधित क्षेत्र शामिल है। शैक्षिक तकनीकि में सिर्फ मशीनें ही सम्मिलित नही है इसमें अधिगम क्षेत्र में आने वाली प्रणालियां तकनीकि तथा अन्य सामाग्रियों का प्रयोग तथा मूल्यांकन भी सम्मिलित होता है।

वर्श 1950 में सर्वप्रथम शैक्षिक प्रौद्योगिकी का विषेश रूप से हुआ अमेंरिका तथा रूस की औद्योगिक उन्नति के कारण अन्य देशो मे भी शिक्षा तकनीकि के जिले में विषेश प्रप्ति हुई।

1966 में भारत में सर्वप्रथम एक अभिक्रमित अनुदेशन संगठन की स्थापना की गई जिसके माध्यम से शिक्षा प्रौद्योगिकी के विकास के प्रयास विभिन्न शिक्षण संस्थाओं मे किए गये। जिससे शिक्षण प्रौद्यिगिकी के क्षेत्र में विषेश प्रगति हुई।

वर्श 1972–73 में भारत सरकार में एक शैक्षिक प्रौद्योगिकी परियोजना का कार्य आरम्भ किया। जिसका उद्देष्य था शिक्षा के सभी स्तरो पर जनसंचार विधियों तथा अनुदेशन प्रौद्योगिकी के उपयोग को एकीकृत करना, जिससे कि शिक्षा क्षेत्र में वांछित सुधार लाया जा सकें।

भारत में शिक्षा के विभिन्न अंगो को सबल और सक्षम बनने का कार्य राश्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिशद् नई दिल्ली का है।

वास्तव में शैक्षिक तकनीकि एजुकेशनल टेक्नालोजी दो शब्दो से मिलकर बना है। एक एजूकेशन और दूसरा टेक्नालाजी जिसका भावार्थ है शिक्षण में कक्षा। शिक्षित करना प्रशिक्षण देना।

भारत में शिक्षा प्रौद्योगिकी को ध्यान में रखते हुए राश्ट्रीय शिक्षा अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिशद (NCRT) ने शिक्षा प्रौद्योगिकी का नया विभाग खोला है। और दृष्य–श्रव्य सहायक सामाग्री विभाग को शिक्षा प्रौद्योगिकी विभाग में ही सम्मिलित कर दिया गया है। इस क्षेत्र में षाह कुलकणी , के0पी0 पाण्डेय, प्रेम प्रकाश कपाड़िया तथा कुल श्रेश्ठ ने काफी कार्य किया।

शैक्षिक लक्ष्यो के क्षेत्र में ड़ा0 खे तथा उनका RCEN System उल्लेखनीय है।

शैक्षिक प्रौद्योगिकी (तकनीकि) की विषेशताऐं – तक्शी सकामाटो ने लिखा है– शैक्षिक तकनीकि वह व्यवहारिक था। प्रयोगात्मक अध्ययन है जिसका उद्देष्य कुछ आवश्यक तत्वो जैसे शैक्षिक उद्देष्य, पाठयक्रम शिक्षण सामाग्री, शिक्षण विधि, वातावरण विद्यार्थियों व निर्देशको का व्यवहार तथा उनके मध्य होने वाली अन्तः प्रक्रिया को नियन्त्रित करके अधिकतम शैक्षिक प्रभाव उत्पन्न करना है।

शैक्षिक तकनीकि की विषेशताऐं जो प्रमुखतः से सार्थक है वो निम्नवत है। – शैक्षिक प्रौद्योगिकी में शिक्षा एवं प्रशिक्षण के व्यवहारिक पक्ष कों महत्व दिया जाता है।

वैज्ञानिक ज्ञान का शिक्षण तथा प्रशिक्षण में प्रयोग किया जाता है।

शिक्षा तकनीकि प्रणाली आयाम को प्रधानता दी जाती है।

अधिगम के स्वरूपो तथा स्त्रोतो को अधिक महत्व दिया जाता है।

भारत में तकनीकि शिक्षा के अन्तर्गत निम्नांकित कार्यक्रमों का संचालन –

1. मल्टीमीडीया पैकेट
2. डेटा बैंक तथा साफ्टवेयर बैंक
3. स्कूलों में रेडियो के लिए शैक्षिक कार्यक्रमों का प्रसारण
4. शैक्षिक तकनीकि के क्षेत्र में कार्यरत व्यक्तियों की डायरेक्री का प्रकाशन
5. मुक्त विद्यालयों की स्थापना
6. शैक्षिक प्रोद्योगिकी विशय पर राश्ट्रीय स्तर के सेमिनारो का आयोजन
7. सेटल लाइट अनुदेशक टेलीवीजन प्रयोग
8. टेलीवीजन के प्रयोगो का मूल्यांकन
9. विभिन्न राज्यो में कार्यरत शैक्षिक तकनीकि यूनिटो के लिए प्रयोग की योजना बनाना। समन्वय का कार्य
10. प्रत्येक राज्यो में CIET की स्थपना करना।

भारत में शैक्षिक प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में राश्ट्रीय शिक्षा संस्था नई दिल्ली नें प्रमुख रूप से शैक्षिक खोजों पर कार्य किया। इसी संस्था नें शिक्षण साधन विभाग द्वारा श्रव्य–दृष्य सामाग्री के क्षेत्र में प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा शिक्षण सामाग्री के साथ–साथ सलाहकार सेवायें भी उपलब्ध कराने का कार्य किया गया। राश्ट्रीय शिक्षा नीति के सन्दर्भ में शैक्षिक तकनीकि के क्षेत्र में वर्श 1992 में प्रोग्राम आफ एक्शन तैयार किया गया और इसे शिक्षा के सभी स्तरो पर कार्यान्वित करने का प्रयास किया गया कम्प्यूटर के क्षेत्र में ब्सें नाम की परियोजना शुरू की गई। कम्प्यूटर को विद्यालयों, कालेजो तथा विश्वविद्यालयो तक पहुंचाया गया। कम्प्यूटर के ज्ञान से सम्बन्धित तथा इस पर आधारित अनेक डिप्लोमा स्नातक तथा स्नातकोत्तर कोर्स शुरू किए गये इस प्रकार प्रारम्भ में शैक्षिक प्रौद्योगिकी के धीमें विकास के बावजूद इसका भाविश्य उज्जवल रहा।

वर्ष 1937 में कोलकाता से सुसंगठित स्कूल प्रसारणो की शुरूआत हुई आकाशवाणी की स्थापना से पहले भी बम्बई (मुम्बई) और कलकत्ता (कोलकाता) के स्कूलो के लिए प्रसारण होते थे। शुरू शुरू में स्कूल कार्यक्रम पाठ्यक्रम द्वारा नियंत्रित नही थे।

भारत में रेडियो प्रसारण की शुरूआत 1920 के दशक में हुई पहला कार्यक्रम वर्श 1923 में मुम्बई के रेडियो क्लब द्वारा प्रसारित किया गया। आकाशवाणी का समाचार सेवा प्रभाग 24 घंटे कार्य करता है। यह स्वदेशी तथा वाह्य सेवाओं में 500 से अधिक समाचार बुलेटिन का प्रसारण करता है। भारत में शैक्षिक तकनीकि के अभियान को सफल बननो अनेकानेक शैक्षिक उपागमों का सहयोग रहा।

रेड़ियो पायलट प्रोजेक्ट
कम्प्यूटर
शैक्षिक दूरदर्शन
टेलीकान्फ्रेंसिंग
वीडियो डिस्क
वीडियो टेक्स

शैक्षिक तकनीकि का विकास उत्तर प्रदेश में

Devlopement of Educational technology in U.P.

उत्तर प्रदेश में शैक्षिक तकनीकि प्रकोश्ठ की स्थापना 1976 में हुई थी। इस प्रकोश्ठ ने Site (सेटेलाइट इंस्ट्रक्शनल टेलीवीजन एक्सपेरीमेंट) में सफलता पूर्वक भाग लिया। भारत सरकार नें जब उपग्रह के माध्यम से शैक्षिक दूरदर्शन कार्यक्रमो के प्रसारण का निर्णय लिया। तब उत्तर प्रदेश राज्य में 1984 में राज्य शैक्षिक तकनीकि संस्था की स्थापना की गई यह संस्थान अग्रांकित प्रकार का कार्यक्रम करता है।

1. 5 वर्श से 11 वर्श की आयु के बालको के लिए शैक्षिक दूरदर्शन कार्यक्रमों तथा रेडियो कार्यक्रमो का निर्माण करना ।
2. शैक्षिक दूरदर्शन व रेडियो कार्यक्रमो के लिए सपोर्ट मैटीरियल तैयार करना
3. NCRT के सहयोग से प्राप्त प्रदत्तो का संकलन एवं विश्लेशण की व्यवस्था करना।
4. CIET के प्रयोग से सेवारत प्रशिक्षण आयोजित करना ।
5. शिक्षा के लिए सामान्य मीडिया सपोर्ट उपलब्ध कराना।
6. आवश्यकतानुसार औपचारिक अनौपचारिक तथा प्रौट शिक्षा के मीडिया सपोर्ट उपलब्ध कराना ।

यू0पी0 में शैक्षिक प्रसारण – प्राथमिक और जूनियर कक्षओं के लिए तरंग जैसे अनेको कार्यक्रमों का प्रसारण होता है। डी डी वन पर।
– आकाशवाणी पर अनेको शैक्षिक कार्यक्रम जैसे बालसभा,किसलय और बडें बच्चो के लिए युववाणी जैसे कार्यक्रमों का प्रसारण।
– शैक्षिक तकनीकि के क्षेत्र में यू0पी0 के जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण (डायट) भी महत्वपूर्ण कार्य कर रहें है। कम लागत की शिक्षण सामाग्री विकसित करना डी0आर0यू0 को अनौपचारिक शिक्षा एवं प्रौद्योगिकी शिक्षा के लिए कम लागत की शिक्षण सामाग्री विकसित करने में सहायता देना।, संस्थान के सभी श्रव्य–दृष्य उपकरणो का रख रखाव करना। कम्प्यूटर लैब संचालित करना कम लागत की शिक्षण सामाग्री का प्रदर्शन करना। पास के रेडियो स्टेशन से बच्चो प्रौढ़ो तथा शिक्षको के कार्यक्रम प्रसारण हेतु संपर्क करना तथा सेवारत शिक्षको को शैक्षिक तकनीकि में आवश्यक प्रशिक्षण देना। इन संस्थानो के प्रमुख कार्य है।

संसोधित शैक्षिक तकनीकि योजना के अन्तर्गत 1988 में केंद्रिय सहायता से विद्यालयो को रेडियो कम–कैसेट प्लेयर (2 पद 1) वितरित किये गये। और उनके उपयोग को प्रभावशली बनाने के लिए यू0पी0 में 2800 प्राथमिक विद्यालयो को रेडियो–कम कैसेट वितरित किए गए।

इस प्रकार से उत्तर प्रदेश राज्य भी शैक्षिक तकनीकि के क्षेत्र में सक्षम नेतृत्व देने की तैयारी में है।

संदर्भ ग्रंथ सूची

शैक्षिक तकनीकी के मूलाधार –एस0 पी0 कुलश्रेश्ठ
शैक्षिक तकनीकी विकास –के0 एम0 कपाड़िया
शिक्षा में तकनीकी –के0 पी0 पाण्डेय
शिक्षा में आधुनिकता –पी0 एन0 राय
शिक्षा तकनीकी –(शोधपत्र)
शैक्षिक तकनीकी –UGC